अध्याय – पंचम

शोध सारांश निष्कर्ष एवं सुझाव

5.0	भूमिका
5.1	शोध सारांश
5.2	समस्या कथन
5.3	शोध उद्देश्य
5.4	शोध चर
5.5	शोध परिकल्पनाएं
5.6	शोध की परिसीमाएं
5.7	न्यादर्श चयन
5.8	शोध में प्रयुक्त उपकरण
5.9	प्रयुक्त सांख्यिकी विधि
5.10	शोध परिणाम
5.11	सुझाव
5.12	भविष्य अध्ययन हेतु सुझाव

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

अध्याय पंचम

शोध सारांश निष्कर्ष एवं सुझाव

5.0 भूमिका :–

सारांश किसी भी अध्याय को संक्षिप्त में प्रस्तुत करने का प्रयास होता है जिसके द्वारा अध्याय को संक्षिप्त व सरल रूप में समझा जा सके। इस अध्याय में लघु शोध का सांरांश एवं अध्याय चार में दिए गए प्रदत्तों के विश्लेषण से प्राप्त निष्कर्ष को प्रस्तुत किया गया है। साथ ही अध्ययन के आगे संबंधित अध्ययन को विभिन्न क्षेत्रों में करने के लिए सुझाव भी देने का प्रयास किया गया है।

5.1 शोध सारांश :–

शिक्षा का मुख्य उद्देश्य बालक में अन्तर्निहित मानसिक एवं आध्यात्मिक श्रेष्ठता को प्रकाश में लाना है तथा उसके व्यक्तित्व का विकास कर उसे समाज के उपयोगी बनाना है, ताकि वह एक सक्रिय सदस्य बनकर समाज के विकास में सहायक हो। बालक के व्यक्तित्व तथा शैक्षिक उपलब्धि में अभिन्न सम्बंध है। एक विकसित व्यक्तित्व के साथ बालक विद्यालय में पढ़ाएं जाने वाले विषयों में अच्छी उपलब्धि प्राप्त कर सकता है जबकि अविकसित व्यक्तित्व के साथ ऐसा नहीं हो पाता है। इसलिए व्यक्तित्व का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन आवश्यक है जिससे बालक शाला में पढ़ाए जाने वाले विषयों में बेहतर उपलब्धि प्राप्त कर सकें।

5.2 समस्या कथन :–

''कक्षा छः के विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषकों का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन''

5.3 शोध के उद्देश्य :–

प्रस्तुत शोध के उद्देश्य निम्नलिखित है

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

1. विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषकों तथा शैक्षिक उपलब्धि में सम्बंध का अध्ययन करना।

2. छात्र तथा छात्राओं की शैक्षिक चयनित व्यक्तित्व विशेषकों का तुलनात्मक अध्ययन करना।

3. विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषकों का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करना।

5.4 शोध चर :–

प्रस्तुत अध्ययन के शोध चर निम्नलिखित है।

1. स्वतंत्र चर – व्यक्तित्व विशेषक
2. आश्रित चर – शैक्षिक उपलब्धि
3. उपचर – लिंग (छात्र–छात्राएं)

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

5.5 शोध की परिकल्पनाएं :–

प्रस्तुत शोध की परिकल्पनाएं निम्नलिखित है।

1. विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषकों तथा शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सम्बन्ध नहीं है।
2. छात्र तथा छात्राओं क चयनित व्यक्तित्व विशेषकों में सार्थक अंतर नहीं है।
3. विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषकों का शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

5.6 शोध की परिसीमाएं :–

प्रस्तुत शोध की सीमाएं निम्नलिखित है।

1 प्रस्तुत अध्ययन केवल भोपाल जिले के शहरी क्षेत्र तक ही सीमित है।

2. प्रस्तुत अध्ययन केवल उच्च प्राथमिक स्तर तक ही सीमित है।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

3. प्रस्तुत अध्ययन में केवल शासकीय विद्यालयों को ही चयनित किया गया है।

4. प्रस्तुत अध्ययन केवल बालक–बालिकाओं के चयनित व्यक्तित्व विशेषक तथा शैक्षिक उपलब्धि तक ही सीमित है।

5.7 न्यादर्श चयन :–

प्रस्तुत शोध में शोधकर्ता द्वारा भोपाल शहर के मध्य क्षेत्र पुराने भोपाल क्षेत्र के 10 शासकीय विद्यालय को लिया गया है। सभी विद्यालय माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय है । न्यादर्श चयन में **उद्देश्य पूर्ण** न्यादर्श तिथि का प्रयोग किया गया जिसके अन्तर्गत 400 विद्यार्थियों का चयन किया गया।

5.8 शोध में प्रयुक्त उपकरण :–

प्रस्तुत शोध में निम्नलिखित उपकरणों का प्रयोग किया गया।

5.8.1 शैक्षिक उपलब्धि –

5.8.2 बच्चों की व्यक्तित्व प्रश्नावली –

5.9 प्रयुक्त सांख्यकी विधि –

प्रस्तुत शोध में प्रदत्तों के विश्लेषण के लिए सहसम्बंध, 'टी' परीक्षण तथा बहुस्तरीय प्रतिगमन समीकरण का प्रयोग किया गया है।

5.10 शोध परिणाम :–

प्रस्तुत शोध के परिणाम निम्नलिखित है।

1. प्रस्तुत अध्ययन के आधार पर विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'A' (सिजोथीमिया बनाम अफेक्टोथीमिया), 'B' (निम्न बुद्धिमान बनाम उच्च बुद्धिमान), 'D' (भावशून्य बनाम अस्तित्ववान), 'E' (आशावान बनाम निश्चित बात करने वाला), 'G' (निम्न अटल शक्ति बनाम उच्च अटल शक्ति), 'H' (शर्मीला बनाम साहसी), 'O' (आत्म विश्वास बनाम अनात्मविश्वास) का शैक्षिक उपलब्धि के साथ सार्थक संबंध पाया गया है।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

2. छात्र तथा छात्राओं के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'A' (सिजोथीमिया बनाम अफेक्टोथीमिया), 'B' (निम्न बुद्धिमान बनाम उच्च बुद्धिमान), 'D' (भावशून्य बनाम अस्तित्ववान), 'G' (निम्न अटल शक्ति बनाम उच्च अटल शक्ति), 'H' (शर्मीला बनाम साहसी), 'O' (आत्म विश्वास बनाम अनात्मविश्वास) में सार्थक अंतर पाया गया है। जबकि छात्र तथा छात्राओं के व्यक्तित्व विशेषक 'E' (आशावान बनाम निश्चित बात करने वाला) में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया है।

3. विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषक 'B' (निम्न बुद्धिमान बनाम उच्च बुद्धिमान), 'D' (भावशून्य बनाम अस्तित्ववान), का शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव पड़ता है जबकि व्यक्तित्व विशेषक 'A' (सिजोथीमिया बनाम अफेक्टोथीमिया), 'E' (आशावान बनाम निश्चित बात करने वाला), 'G' (निम्न अटल शक्ति बनाम उच्च अटल शक्ति), 'H' (शर्मीला बनाम साहसी), 'O' (आत्म विश्वास बनाम अनात्मविश्वास) का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव नहीं पड़ता है।

5.11 सुझाव :–

प्रस्तुत शोध में परिणाम के विश्लेषण के पश्चात छात्र–छात्राओं के व्यक्तित्व विकास तथा शैक्षिक उपलब्धि को बढ़ाने हेतु निम्नलिखित सुझाव दिए जा सकते हैं:–

1. शर्मीले विद्यार्थियों की शर्मीले स्वभाव को दूर करने हेतु उन्हें कक्षा में बोलने को कहा जाए तथा भाषण खेल, नृत्य आदि में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया जाए।
2. समस्याजनक विद्यार्थियों की केस स्टडी की जाए।
3. छात्रों को अध्ययन में क्रियाशील करने हेतु योग, ध्यान की कक्षा लगानी चाहिए।
4. विद्यार्थियों को साहसी बनाने हेतु उन्हें वीर गाथाएं, राष्ट्रीय पुरूषों के बारे में बताया जाये तथा उन्हें भी महापुरूषों आदि के बारे में बोलने के लिए प्रोत्साहित करें।
5. शर्मीले बालकों के विशेष गुण पहचानकर उन्हें विशेष पाठ्यक्रम तथा पाठयसहगामी क्रियायें करवाई जायें।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

D - 197

5.11 भविष्य अध्ययन हेतु सुझाव :-

भविष्य में चयनित व्यक्तित्व विशेषक तथा शैक्षिक उपलब्धि से संबंधित लघुशोध हेतु निम्नलिखित विषय हो सकते हैं।

1. ग्रामीण तथा नगरीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषकों का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन किया जा सकता हे।
2. शासकीय तथा अशासकीय विद्यालायों के विधार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषकों का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन किया जा सकता है।
3. केन्द्रीय विद्यालयों तथा मिशनरी विद्यालयों के विद्यार्थियों के चयनित व्यक्तित्व विशेषकों का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन किया जा सकता है।

समाप्त

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal